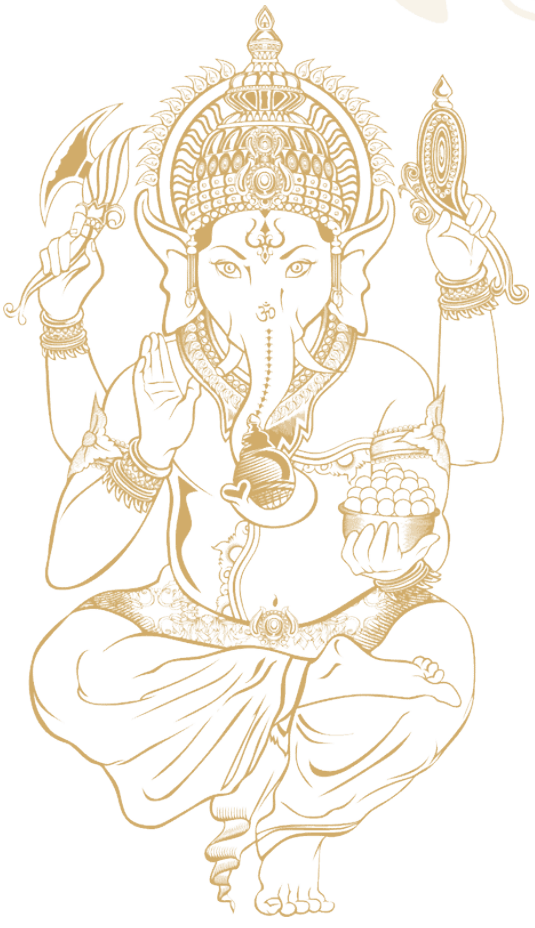

Pratiksha diwedi

Shriyank

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121892108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/1999	जन्म तिथि	24/03/1995
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:03:10	जन्म समय	17:16:35 घंटे
घटी 42:04:09	जन्म समय(घटी)	28:02:59 घटी
India	देश	India
Sidhi	स्थान	Katni
24:24:00 उत्तर	अक्षांश	23:47:00 उत्तर
81:54:00 पूर्व	रेखांश	80:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:24	स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:13:30	सूर्योदय	06:09:07
18:49:17	सूर्यास्त	18:20:20
23:50:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 5वर्ष 6मा 25दि	11:40:07	मक	लग्न	सिंह	25:47:54	शुक्र 12वर्ष 10मा 27दि
केतु	23:36:09	वृष	सूर्य	मीन	09:34:41	मंगल
02/01/2022	12:45:31	मीन	चंद्र	धनु	18:03:42	19/02/2024
01/01/2029	00:43:45	तुला	मंगल व	कर्क	19:22:20	18/02/2031
केतु 31/05/2022	09:21:31	मिथु	बुध	कुंभ	20:53:51	मंगल 17/07/2024
शुक्र 31/07/2023	02:40:14	मेष	गुरु	वृश्चि	21:29:21	राहु 04/08/2025
सूर्य 06/12/2023	08:54:52	कर्क	शुक्र	कुंभ	01:45:15	गुरु 11/07/2026
चन्द्र 06/07/2024	18:05:08	मेष	शनि	कुंभ	23:27:44	शनि 20/08/2027
मंगल 02/12/2024	20:50:28	कर्क व	राहु व	तुला	12:16:05	बुध 16/08/2028
राहु 20/12/2025	20:50:28	मक व	केतु व	मेष	12:16:05	केतु 12/01/2029
गुरु 26/11/2026	22:49:18	मक व	हर्ष	मक	05:57:40	शुक्र 14/03/2030
शनि 05/01/2028	10:14:45	मक व	नेप	मक	01:25:58	सूर्य 20/07/2030
बुध 01/01/2029	15:03:01	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:41:39	चन्द्र 18/02/2031

लग्न-चलित

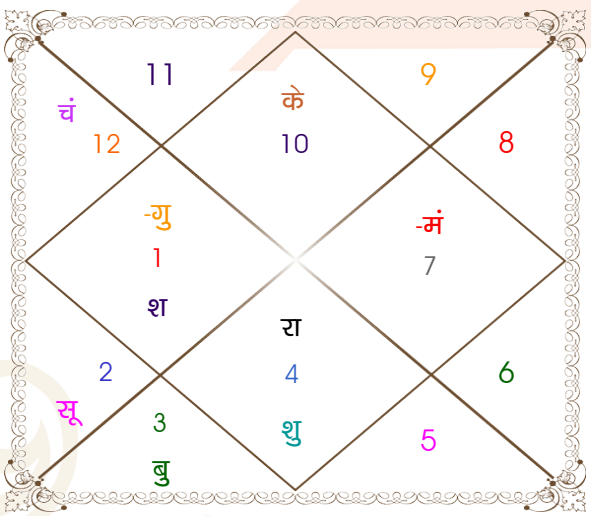

लग्न-चलित

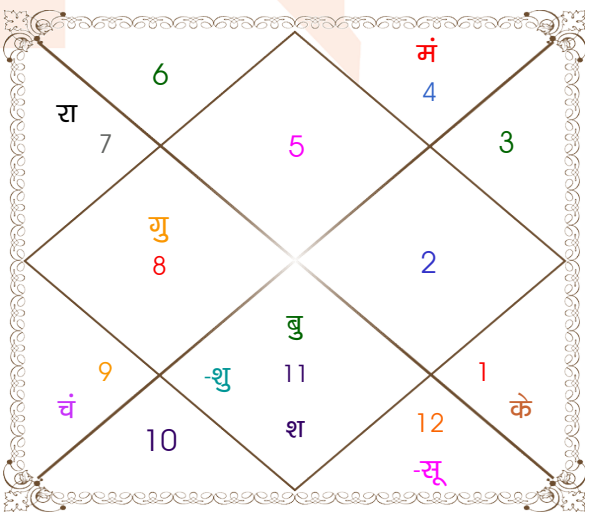

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

Pratiksha diwedi का वर्ग सिंह है तथा Shriyank का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pratiksha diwedi और Shriyank का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Pratiksha diwedi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pratiksha diwedi तथा Shriyank में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।